

ज़हरीली शराब त्रासदी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में बहिर में एक दुखद घटना में [ज़हरीली शराब](#) के सेवन से आठ व्यक्तियों की मृत्यु हो गई, जिससे [अवैध शराब के सेवन](#) के गंभीर परिणामों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

मुख्य बटु

- **ज़हरीली शराब (हूच) नरिमाण प्रक्रिया:**
 - अवैध या नकली शराब के रूप में भी जानी जाने वाली हूच, आमतौर पर [गुड या अनाज](#) जैसे कफायती कच्चे माल को कण्वति और आसवति करके बनाई जाती है।
 - अक्सर, उत्पादन में तेज़ी लाने या क्षमता बढ़ाने के लिये [मेथनॉल](#) जैसे खतरनाक रसायन मलियाए जाते हैं। मेथनॉल कम मात्रा में भी घातक वषिक्तता उत्पन्न कर सकता है।
- **योगदान देने वाले कारक:**
 - बहिर में सख्त शराबबंदी कानून के बावजूद शराब का कारोबार तेज़ी से जारी है। शराबबंदी के प्रभावी कार्यान्वयन की कमी और शराब की बढ़ती मांग के कारण शराब पीने की घटनाएँ लगातार सामने आ रही हैं।
 - सार्वजनिक स्वास्थ्य वषिषज्ज जहरीली शराब की बकिरी को रोकने के लिये बेहतर वनियिमन और पुलसि व्यवस्था की आवश्यकता की ओर इशारा करते हैं।
- **नषिध कानून:**
 - [बहिर में 2016 से बहिर नषिध एवं उत्पाद शुल्क अधनियिम, 2016](#) के अंतर्गत शराब पर पूर्ण प्रतबिध लागू है। हालाँकि, कुछ कमथिओं और कमज़ोर प्रवर्तन के कारण अवैध व्यापार में वृद्धि हो रही है।
 - इस कानून में अवैध शराब के उत्पादन और बकिरी में शामिल लोगों के लिये भारी जुर्माना और कारावास सहति कठोर दंड का प्रावधान है।

मेथनॉल

- मेथनॉल, जिसे रासायनिक रूप से CH_3OH के रूप में दर्शाया जाता है, एक सरल अल्कोहल अणु है जिसमें एक कार्बन परमाणु तीन हाइड्रोजन परमाणुओं और एक हाइड्रॉक्सिल समूह (OH) से आबंधित होता है।
- **वनियिम:**
 - मेथनॉल को भारत में **खतरनाक रसायन नरिमाण, भंडारण और आयात नयिम 1989** की अनुसूची I के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है।
 - भारतीय मानक **IS 517** नरिदषिट करता है कि मेथनॉल की गुणवत्ता कैसे नरिधारति की जानी चाहयि।
- **औद्योगिक उत्पादन:**
 - मेथनॉल का उत्पादन मुख्य रूप से औद्योगिक रूप से कार्बन मोनोऑक्साइड और हाइड्रोजन को **ताँबा और जकि ऑक्साइड उत्प्रेरक** की उपस्थिति में संयोजति करके किया जाता है, आमतौर पर **50-100 atm** दबाव और लगभग 250 डिग्री सेल्सियस तापमान पर।
 - ऐतहिसिक रूप से, मेथनॉल का उत्पादन लकड़ी के वनिशकारी आसवन के माध्यम से भी किया जाता था, यह वधि प्राचीन काल से ही जानी जाती थी, जिसमें प्राचीन मसिर भी शामिल है।
- **औद्योगिक उपयोग:**
 - मेथनॉल एसटिक एसडि, फॉर्मेल्डहाइड और वभिनिन सुगंधति हाइड्रोकार्बन के उत्पादन में एक महत्त्वपूर्ण अग्रदूत के रूप में कार्य करता है। इसके रासायनिक गुणों के कारण इसका व्यापक रूप से वलियाक, एंटीफ्रीज और वभिनिन औद्योगिक प्रक्रियाओं में उपयोग किया जाता है।
- **मानव शरीर पर प्रभाव:**
 - **चयाचपयी अम्लरक्तता (मेटाबोलिक एसडिसिस):**
 - शरीर में मेथनॉल वषिक्त उप-उत्पादों में वभिजति हो जाता है, मुख्य रूप से फॉर्मिक एसडि। यह एसडि रक्त में शरीर के डेलकैट pH बैलेंस को बाधति करता है, जिसे मेटाबोलिक एसडिसिस (अत्यधिक एसडि का उत्पादन जिसे कडिनी द्वारा बाहर नहीं निकाला जा सकता) नामक स्थिति उत्पन्न होती है।
 - इससे रक्त अधिक अम्लीय हो जाता है, जिसे उसके ठीक से काम करने की क्षमता बाधति हो जाती है।

- **सेलुलर ऑक्सीजन की कमी:**
 - फॉर्मिक एसिड साइटोक्रोम ऑक्सीडेज नामक एंजाइम में भी हस्तक्षेप करता है, जो सेलुलर श्वसन के लिये महत्वपूर्ण है। यह कोशिकाओं की ऑक्सीजन का उपयोग करने की क्षमता को बाधित करता है, जिससे लैक्टिक एसिड का निर्माण होता है और एसिडोसिस में और योगदान होता है।
- **दृष्टि दोष (वज़िन इंपेयरमेंट):**
 - मेथनॉल ऑप्टिक तंत्रिका और रेटिना को नुकसान पहुँचा सकता है, जिससे मेथनॉल-प्रेरित ऑप्टिक न्यूरोपैथी हो सकती है। यह स्थिति स्थायी दृष्टि समस्याओं, जिसमें अंधापन भी शामिल है, को जन्म दे सकती है।
- **मस्तिष्क कर्षति:**
 - इससे सेरेब्रल एडिमा (मस्तिष्क में द्रव का जमाव) और रक्तस्राव (खून बहना) हो सकता है। इससे कोमा और मृत्यु हो सकती है।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/hooch-tragedy-1>

